सञ्ज् 1. *P.* (in compp. etiam सज्) figere, affigere. *Part. pass. praet.* सक्त affixus. In. 4. 1.: पार्थस्य चक्षुर् उर्वश्यां सक्तम्. *TROP.* deditus, addictus. Bh. 3. 25.: सक्ताः कर्मणि. *Vid.* सङ्ग, सङ्गिन्, सस्ज् *et cf.* स्वञ्ज्.

c. अति praef. वि व्यतिषक्त admixtus, commixtus, conjunctus. Man. 10. 25. (vid. व्यतिषङ्ग apud Wils.).

c. अभि अभिषज् maledicere, objurgare. Mah. 3. 1090.: अभिषक्तो ऽस्म्य् अभिषजेत्. *Vid.* अभिषङ्ग apud Wils.

c. अव affigere. N. 5. 9.: तेषाम् दृष्टिः ... तत्र तत्रा 'वसक्ता 'भूत्. Suspendere. Mah. 3. 1692.: राज्ञा ... अवसक्तः पितुस् ते ऽद्य मृतः स्कन्धे भुजङ्गमः.

c. आ आसज्, आसञ्ज् affigere, imponere. Mah. 3. 16125.: सुग्रीवस्य तदा मालाङ् हनुमान् कण्ठ आसजत्; R. Schl. I. 74. 18.: स्कन्धेचा "सज्य परशुम्; Ragh. 2. 74.: भुजे ... भूयः स भूमेर् धुरम् आससञ्ज; Mah. 1. 1955.: अस्मास्व् आसज्य राज्यकार्याणि. — आसक्त affixus, adhaerens, cohaerens. H. 4. 38.: तौ ते ददृशुर् आसक्तौ. *TROP.* deditus, addictus. Bh. 7. 1.: मय्य् आसक्तमनाः. — *Caus.* affigendum curare. Ragh. 6. 83.

c. आ praef. वि व्यासक्त deditus, addictus, occupatus. Ur. 64. 6.: स्वकार्ये व्यासक्ता.

c. आ praef. सम् affigere, suspendere, imponere. Mah. 1. 4418.: स्रजं राज्ञः स्कन्धे समासजत्; 1675.: तस्य स्कन्धे मृतं सर्पङ् क्रुद्धो राजा समासजत्. *TROP.* tradere. Mah. 3. 14702. Man. 4. 257. समासक्त deditus, addictus. R. Schl. II. 64. 9.: समासक्तास् त्वयि प्राणाः.

c. प्र *Pass.* addictum, deditum esse. Man. 4. 16.: इन्द्रियार्थेषु सर्वेषु न प्रसज्येत कामतः. *Vid.* सस्ज् praef. प्र.

c. वि suspendere. Mah. 2. 385.: गुह्यकैर् उह्यमाना सा (सभा) खे विषक्ते 'व शोभते.

सञ्ज्ञा *f.* (r. ज्ञा nosse praef. सम्) 1) cognitio. Bh. 1. 7. 2) animus sui conscius, mens sana. N. 21. 16. Dr. 9. 13. (*in fine comp.* BAH.). 3) nomen, appellatio. Bh. 15. 5. (*in fine comp.* BAH.).

सञ्ज्ञित (a सञ्ज्ञा nomen s. इत, v. gr. 652.) nomine praeditus, nominatus. Bh. 8. 3.

सट् 1. *P.* (अवयवे *K.* अंशके *V.*) pertinere *ad aliquid*, partem esse *alicujus rei*.

सटा *f.* (r. सट् s. आ) crinium fasciculus. Dr. 9. 9.

सट्ट् 10. *P.* (निकेतनहिंसाबलदानेषु) habitare; ferire, laedere, occidere; validum, potentem esse; dare.

सठ् 10. *P.* साठयामि (शठार्थे) *i. q.* 2. शठ्.

सत् (*fem.* ई, *Part. praes.* r. अस् esse, v. gr. 365. et 594.) 1) qui est. H. 4. 3. Br. 3. 18. 2) bonus, probus, praecipuus. Sa. 3. 12. Br. 2. 26. H. 1. 21. (Lat. *-sens, sent-is* in *prae-sens, ab-sens,* acc. *-sentem* = सन्तम्, lith. nom. m. *esans*, f. *esanti*, acc. m. *esantin*; gr. ὤν, jon. ἐών ex ἐσών, Them. ἐσοντ.)

सतत (ut videtur, mutilatum e सन्तत *part. pass.* r. तन् praef. सम्) aeternus. *Acc. neut.* सततम् *Adv.* semper, aeterne. Bh. 6. 10.

सततग *m.* (semper iens e सततम् semper et ग iens, v. gr. 686.) ventus (*cf.* सदागति). H. 1. 8.

सतीत्व *n.* (a सती, *fem.* vocis सत्, suff. त्व) modestia, pudor, castitas *feminae*. Hit. 29. 2.

सत्कार *m.* (r. कृ facere praef. सत् bonum s. अ) 1) hospitium. N. 9. 9. 10. 2) curatio, cultus, veneratio; e. c. शरीरसत्कार corporis cultus. Sa. 3. 20. *a.*, देवसत्कार deorum cultus. Sa. 3. 20. *b.*

सत्त्र *n.* (ut videtur, a r. सद् s. त्र) sacrificium. *Scribitur etiam* सत्र. Ur. 83. 19.

सत्त्व *n.* (a सत् quod est, s. त्व) 1) mens, animus, animus sui conscius. N. 16. 30. Dr. 2. 13. 7. 15. 9. 22. A. 1. 7. 6. 20. Bh. 2. 45. 10. 36. 2) animal. Sak. 24. 5.

सत्त्ववत् (a सत्त्व s. वत्) animans, animal. Bh. 10. 36. R. Schl. I. 41. 8.

सत्य (a सत् quod est suff. य, nisi potius a pron. स q. v. suff. त्य, sicut तत्त्व a तत्) 1) *Adj.* verus. In. 4. 12. 2) *Subst. n.* veritas. In. 5. 45. (Cf. gr. ἐτεός.)

सत्यता *f.* (a praec. s. ता) veritas, veriloquium, *Wahrhaftigkeit*. Hit. 24. 32.

सत्यवाच् (*BAH.* e सत्य verus et वाच् sermo) vernm sermonem habens, i. e. veridicus. In. 4. 12.